नामांक				Roll No.		

No. of Questions — 8
No. of Printed Pages — 3

SS—26–2—Raj. Sah. II

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2011

वैकल्पिक वर्ग I–कला (OPTIONAL GROUP I — HUMANITIES)

राजस्थानी साहित्य — द्वितीय पत्र

(RAJASTHANI SAHITYA — Second Paper)

समय — $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक — 60

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं । प्रश्न संख्या **1** के दोनों भागों, प्रश्न संख्या **2**, **3**, **4** एवं **5** में आंतरिक विकल्प हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।
4. जिस प्रश्न के एक से अधिक समान अंक वाले भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।
5. लेखन में शुद्धता और वैज्ञानिक विवेचन को अधिक अंक दिये जायेंगे ।
6. वर्तनी, व्याकरण और सुलेख का अतिशय ध्यान रखिए तथा युक्तिसंगत उत्तर लिखिए ।
7. उत्तर हिन्दी और राजस्थानी उभय भाषाओं में अंगीकार्य होंगे ।
8. पूर्णांक और प्रश्नांक यथास्थान अंकित है ।

1. निम्न पद्यांसां री सप्रसंग व्याख्या करौ :

(क) जुड़ैवा जु तूं नाग काली जगावै,

अजै मुख्ख पै-पान री सोडि आवै ।

जुनै वैस तारी परस्सै सनैहो,

काली नाग सूं जुद्ध रौ लाग केहौ ॥ 7

अथवा

प्रथम नेह भीनौ, महाक्रोध भीनौ पछै,

लाभ चमरी समर, झोक लागै ।

राय कंवरी वरी, जेण वागै रसिक,

बरी घड़ कंवारी, तेण वागै ॥

(ख) बाणीजा नीत हित देस जाणी बुरी,

नफै हूं भलो ओ बुरो नापै ।

कुलखणा देस हित काज करसी किसा,

दुख्यां री लूट हूं नंह धापै ॥ 8

अथवा

अस चढ़णा !

हेकलो प्रण पाल चढ्यौ,

लियण घण मूंगी रतन-धरा ।

सैलां झक झो लियौ अरियां समंद

ढली ऊमरां

अस ढलिया,

पण अस रो असवार नंह ढलियौ ॥

2. 'समय-सुंदर' री काव्य-सरजणा री विसेसतावां नै बतावौ । 7

अथवा

'बिना बुलायां किणी रै घरै क्यूं नीं जावणौ चाइजै' — समझावौ ।

3. 'छतरी गोरां धाय री' कविता-संग्रै रा पढ्योड़ा छंदा रौ सार बतावौ । 7

अथवा

''कतनी बार मरूं'' कविता रौ सार लिखो ।

4. नारायण सिंह भाटी री काव्य कला री विवेचना कला-पक्ष अर भाव पक्ष रै आधार पर करो । 7

अथवा

'सपनो आयो' कविता रौ भाव विस्तार सूं समझावौ ।

5. '' 'थलवट रौ उमराव' कविता में राजस्थान री प्रकृति अर संस्कृति रौ सुंदर मिश्रण है ।'' इस कथन री सउदाहरण विवेचना करौ । 9

अथवा

उपेन्द्र 'अणु' मायड़ भासा रा निस्वार्थ लिखारा है । इण बात रौ खुलासो करौ ।

6. काव्य री परिभाषा देवता थकां उण'रा भेदों नै संक्षेप में समझावौ । 5

7. त्रोटक छंद रौ उदाहरण साथै परिचय देवौ । 5

8. उत्प्रेक्षा अलंकार री परिभासा दाखला देय'र समझावौ । 5